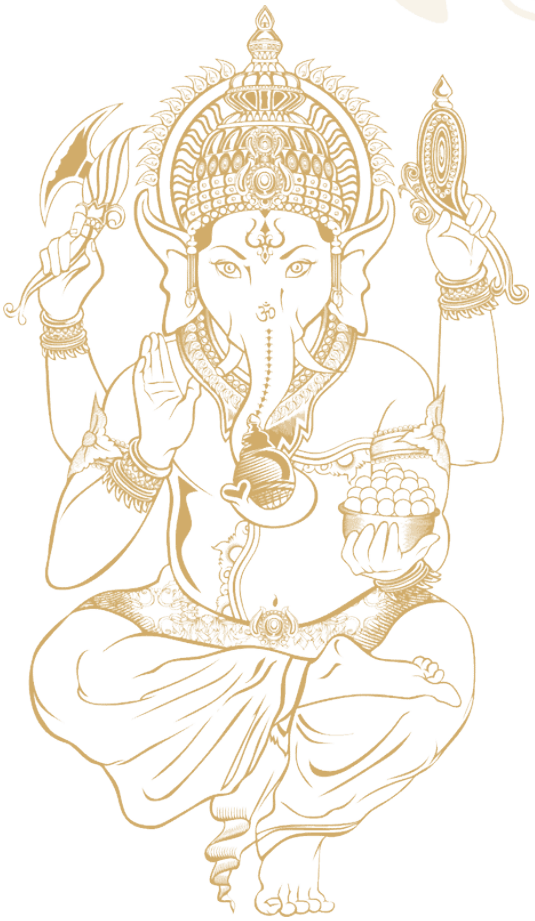

CMO

16 Feb 1994

04:10 PM

Gwalior

Model: web-freekundliweb

Order No: 121703303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/02/1994**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:10:00 घंटे**
इष्ट	23:12:52 घटी
स्थान	**Gwalior**
राज्य	Delhi
देश	India

अक्षांश	26:12:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:52:36 घंटे
वेलान्तर	-00:14:09 घंटे
साम्पातिक काल	01:37:22 घंटे
सूर्योदय	06:52:51 घंटे
सूर्यास्त	18:10:28 घंटे
दिनमान	11:17:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:45:10 कुम्भ
लग्न के अंश	08:25:51 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुक्ल
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:25:51	310:45:54	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	03:45:10	01:00:35	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	08:50:39	11:47:15	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मक	21:16:50	00:47:04	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध	व	अ	कुंभ	11:34:55	00:49:30	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			तुला	20:38:51	00:02:15	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	11:03:10	01:15:07	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	08:25:22	00:07:17	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	04:27:30	00:02:45	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	04:27:30	00:02:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
हर्ष			मक	00:27:52	00:03:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	28:22:26	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	04:14:38	00:00:28	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मेष	02:28:19	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:46

लग्न-चलित

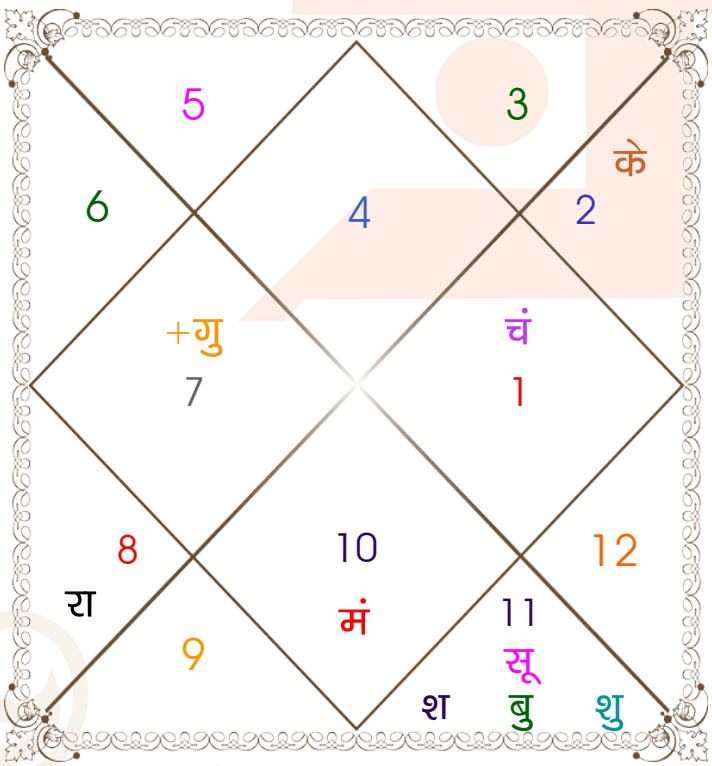

चन्द्र कुंडली

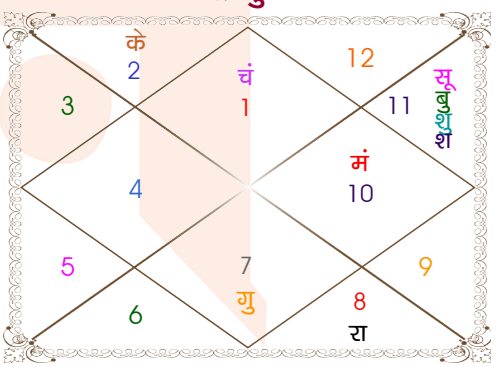

नवमांश कुंडली

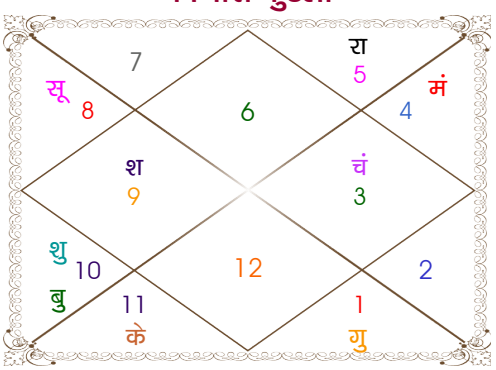

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 4 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/02/1994		26/06/1996		26/06/2016		27/06/2022		26/06/2032	
26/06/1996		26/06/2016		27/06/2022		26/06/2032		27/06/2039	
	00/00/0000	शुक्र	27/10/1999	सूर्य	14/10/2016	चंद्र	27/04/2023	मंगल	22/11/2032
	00/00/0000	सूर्य	26/10/2000	चंद्र	14/04/2017	मंगल	26/11/2023	राहु	11/12/2033
	00/00/0000	चंद्र	27/06/2002	मंगल	20/08/2017	राहु	27/05/2025	गुरु	17/11/2034
	00/00/0000	मंगल	27/08/2003	राहु	15/07/2018	गुरु	26/09/2026	शनि	26/12/2035
	00/00/0000	राहु	26/08/2006	गुरु	03/05/2019	शनि	26/04/2028	बुध	23/12/2036
	16/02/1994	गुरु	26/04/2009	शनि	14/04/2020	बुध	26/09/2029	केतु	21/05/2037
गुरु	21/05/1994	शनि	26/06/2012	बुध	18/02/2021	केतु	27/04/2030	शुक्र	21/07/2038
शनि	30/06/1995	बुध	27/04/2015	केतु	26/06/2021	शुक्र	26/12/2031	सूर्य	26/11/2038
बुध	26/06/1996	केतु	26/06/2016	शुक्र	27/06/2022	सूर्य	26/06/2032	चंद्र	27/06/2039

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/06/2039		26/06/2057		26/06/2073		26/06/2092		27/06/2109	
26/06/2057		26/06/2073		26/06/2092		27/06/2109		00/00/0000	
राहु	09/03/2042	गुरु	14/08/2059	शनि	29/06/2076	बुध	23/11/2094	केतु	23/11/2109
गुरु	02/08/2044	शनि	25/02/2062	बुध	09/03/2079	केतु	20/11/2095	शुक्र	24/01/2111
शनि	09/06/2047	बुध	02/06/2064	केतु	17/04/2080	शुक्र	20/09/2098	सूर्य	31/05/2111
बुध	26/12/2049	केतु	09/05/2065	शुक्र	18/06/2083	सूर्य	27/07/2099	चंद्र	30/12/2111
केतु	13/01/2051	शुक्र	08/01/2068	सूर्य	30/05/2084	चंद्र	27/12/2100	मंगल	28/05/2112
शुक्र	13/01/2054	सूर्य	26/10/2068	चंद्र	29/12/2085	मंगल	24/12/2101	राहु	15/06/2113
सूर्य	08/12/2054	चंद्र	25/02/2070	मंगल	07/02/2087	राहु	12/07/2104	गुरु	17/02/2114
चंद्र	08/06/2056	मंगल	01/02/2071	राहु	14/12/2089	गुरु	18/10/2106		00/00/0000
मंगल	26/06/2057	राहु	26/06/2073	गुरु	26/06/2092	शनि	27/06/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 4 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।